O ✓

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: इयर र... परीक्षा

1. विषय कोड 0 5 1 परीक्षा का विषय Hindi (General)

2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 20/03/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: U-2002 सेट:

केन्द्र क्रमांक की सील

531048

55343

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH

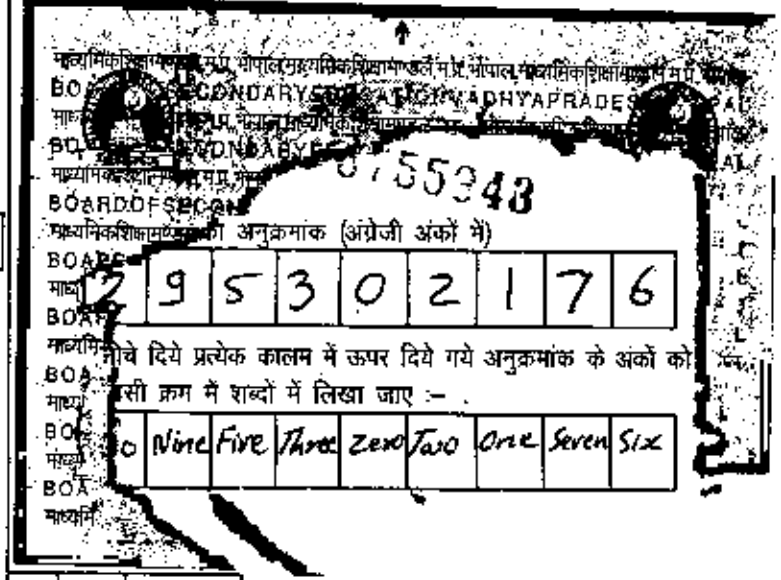

अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	5	3	0	2	1	7	6

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

Two	Nine	Five	Three	Zero	Two	One	Seven	Six

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में ______ अंकों में ______

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 12 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ____________

नाम ____________ पद V.P.T

पता / संस्था S.G.H.S.

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								
8								
9								
10								

कुल प्राप्तांक: | | में |

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या ______ पर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) ______ हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) ______ हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक) ______

परीक्षक क्रमांक 9710232 दिनांक ______ दिनांक ______

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

1. i) कृष्ण
ii) गुलाबराय
iii) बात ही बड़ी
द्विवेदी युग के
चार

2. i) (क) जब बिजली गुल हो गई
B ii) (क) ईश्वर की ओर
iii) (ग) अनुप्रास
iv) (ख) गोपाल सिंह "नेपाली"
v) (घ) बहुव्रीहि

M

P 3. i) सत्य
सत्य
असत्य
iv) असत्य
v) असत्य

4. i) सिद्धार्थ को
पार्वती के नाम पर
कमल
पृथ्वी और अग्नि
v) महात्मा गाँधी

5. i) वर्षा न होने के कारण सितंबर के महिने में त्राहि-त्राहि मची हुई थी।

ii) सिरचन मानू से मिलने रेलवे स्टेशन इसलिए गया था क्योंकि वह मानू को ताने सुनाता हुआ नहीं देख सकता था इसलिए वह उसे सामान देने नहीं जाता। तो मानू के ससुराल वाले उसे ताने सुनते

iii) बिना पानी के हीरा, चूना और मनुष्य का कोई महत्व नहीं होता।

iv) यशोधरा इस कविता में यशोदा को बोला गया है, जो अपने पति के जाने के गम में आँसू बहा रही है।

v) हँसिनी ने कहा कि प्रजा को अपना मंत्री खुद चुनने दो।

6 यशोदा ने देवकी को कहा कि, देवकी मैं तो कृष्ण की धाय हूँ मुझ मैंने तो सिर्फ उसको पाला पोसे हैं फिर भी मैं तुम्हें यह बताना चाहती हूँ कि कृष्ण को उठते से ही मारवन-रोटी अच्छी लगती है, वह गर्म पानी देखते ही भाग जाता है। फिर वह जो-जो माँगता वह-वह मैं देती और की बड़ी देर में वह नहा पाते। तुम्हें तो सब पता ही

पृष्ठ के अंकों का योग

होंगे पर फिर भी उसका ध्यान रखना।

7. "सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।" इस कथन मे यह बताया गया है कि, राम और रावण दोनों बलवान थे पर राम उस बल का प्रयोग प्रजा की सहायता के लिए करता था वही रावण उस बल का प्रयोग प्रजा को नष्ट करने के लिए करता था। इसीलिए हमेंशा ~~सफ~~ राम को ही सफलता प्राप्त होती रही।

(उपग्रह)

8. आर्यभट्ट की देन है 'सेटेलाईट' जो आज हमारे ~~व~~ लिए बहुत उपयोगी है। इससे हमें धरती की और धरती के बाहर की सारी घटनाएँ और जोभी हो रहा है सब नज़र आता है [सब पता चल जाता है] यह यंत्र संईटिस्ट के लिए बहुत उपयोगी यंत्र है। इससे वह बाहरी दुनिया के बारे में जानकारी लेते हैं।

9. गांधी जी अक्षर ज्ञान ~~मे~~ को ही पूर्ण शिक्षा नही समझते थे। उनका मानना था कि अक्षर ज्ञान ही सबकुछ नहीं होता। इसके अलावा वेद संस्कृत, गणित को भी महतव देते थे। वे समय के बहुत पाबंद थे. ~~इ~~ उनका कहना था कि एक बार समय व्यर्थ कर दिया तो फिर वह वापस नहीं आता।

10. 'पुस्तक' नामक निबन्ध में श्री देवेन्द्र दीपक ने नालन्दा विश्वविद्यालय की यह विशेषताएँ बताई कि वहाँ ~~दस~~ दस हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं और एक हजार पाँच सौ शिक्षक हैं। वहाँ अन्य विषयो पर ज्ञान दिया जाता है जैसे — भूगोल, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान आदि विषय हैं। वहाँ अनेक प्रयोगशाला भी हैं जहाँ विद्यार्थी अनेक प्रयोगों में व्यस्थ रहते हैं।

11. 'उल्टे बाँस बरेली' को कवि सुदर्शन ने इस संदर्भ में कहा है कि जो ज्ञान विदेशी हमसे सीखकर गए हैं वही अब वे दूसरे प्रकार से हमें ही परोस रहे हैं। जैसे हम योग बोलते हैं, विदेशी सीखकर गए और उसे योगा बोलना शुरू किया जो आज हम लोग हैं भी उसी नाम का प्रयोग कर रहे हैं।

12. कवि मोतियो के हार को के माध्यम से यह संदेश देना चाहता है कि जिस तरह मोती को हार टूटने पर बार-बार पिरोलिया जाता है उसी तरह बन्धुओं के रूठने पर उन्हें मना लेना चाहिए वे भी हमारे लिए इतने ही कीमती होते हैं जितना मोती का हार।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(अ)

13. क) फूट - फूट कर रोना — बहुत रोना
वाक्य — परीक्षा में फेल होने के कारण सीता फूट - फूट कर रोई।

ख) त्राहि - त्राहि मचना — किसी चीज़ का अकाल पड़ जाना
वाक्य — जब सितंबर के महीने में वर्षा नही हुई तो त्राहि - त्राहि मच गई।

ग) हँसी - खेल न होना — आसान नही होना
वाक्य — परीक्षा देना कोई हसीं - खेल न है।

(ब)
क) पुस्तक चुरायी जाती है।
ख) रविवार के दिन छुट्टी रहती है।
ग) मीरा सुन्दर लड़की है।

(अ)
14. क) अपेक्षा — गाँव के अपेक्षा शहर की पढ़ाई ज्यादा अच्छी होती है।
उपेक्षा — आजकल के बच्चे गुरु की उपेक्षा करते हैं।

ग) जाती — मीरा रोज कालेज जाती है।
जाति — कुछ जाति अभी भी अछूत मानी जाती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

योग

मध्यप्रदेश

घ)

क) आप चुप रहिए।

ख) बच्चों घर की गंगाजी में कागज की नावें तैराई और खुश हो रहे थे।

ग) तुम परिश्रम करके परीक्षा में सफल हो जाओगे।

15. i) आशा से आकाश थमा है।

भाव - पल्लवन : आशा है तो आकाश है ऐसा कहा जाता है कि जो आशा करता है वही सफल होता है। बिना सपनों के कोई लक्ष्य नहीं होता। जो आशा करके सफल हो वह आसमान छू लेता है। आशा तभी करना चाहिए जब आपको उसको पूरा करलेने की शक्ती हो। जो महनत करता है वह सफलता पाकर आसमान छू लेता है।

B S E M P

16. ii) प्रसंग - इस गद्यांश मे यह बताया जारहा है कि किस तरह विश्व एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है। जहाँ सही रूप से धन और ज्ञान का इस्तमाल होगा। यह कहा गया है कि यही समय है जब भारत खुद को एक बौद्धिक शक्ति में बदलने और फिर अगले दो दशकों के भीतर एक विकसित देश बनने के लिए

पृष्ठ के अंकों का योग

इस अवसर का लाभ उठा सकता है। और हमारे लिए यह जानना आवश्यक है कि प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में कहाँ है।

17. 1. निकसत — — — — —— माल को।

सन्दर्भ : यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक के कविता से ली गई है।

प्रसंग : इन पंक्तियों में यह बताया जा रहा है कि किस तरह महाराजा अपने शत्रुओं का नाश कर रहे हैं। उनकी तलवार को नागिन सा कहा गया है क्योंकि वह इस तरह अपने शत्रुओं के गले में लिपट कर काट रही है जिससे वह अपने शत्रुओं के सिर की एक माला बनाकर पहनेंगे। और उनके शत्रुओं की ढाल भी रक्षा नहीं कर रही है। महाराजा की तलवार शत्रुओं की ढाल को पार करके उनको नष्ट कर रही है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

20. अपनी ओऱ — — — — — लिखिए।

4ZZ Usha nagar
अन्नपूर्णा अवेन्यू
इन्दौर (m.p)

आदरणीय पिताजी,
मैं यहाँ ठीक हूँ और आशा करती हूँ कि आप भी ठीक होंगे। मेरी परीक्षा की तैयारी जोरों से चल रही है। सुबह जल्दी उठती हूँ जैसा आपने कहा था और कभी-कभी रात को सोने में लेट हो जाती हूँ। पर सब बढ़िया है। आप अपना ध्यान रखना। मेरी परीक्षा कल से प्रारंभ हो रही है।

आपकी प्रीय बेटी।

B S E M P

18.क) इन पंक्तियों में यह बताया गया है कि बसंत ऋतु के मौसम में सारे वन-उपवन पनप गये हैं। हर जगह हरयाली छाई है। मंद्र-मंद्र वर्षा में (मयूर) मोर नाच रहे हैं।

ख) उक्त पंक्तियों में बसंत ऋतु का वर्णन हुआ है।

पृष्ठ के अंकों का योग

ग) "आया बसंत"

19) क) राष्ट्रीय चरित्र

ख) क्रियान्वयन — काम
राष्ट्रीय चरित्र — राष्ट्रीय सफलता (सोच)

ग) उपर्युक्त गद्यांश में यह बताया जा रहा है कि जिस राष्ट्र के नागरिकों का चरित्र जितना महान होगा उसका भविष्य भी उतना ही महान होगा। इसमें राष्ट्र के विकास का वर्णन किया है।

SEMP

21. निबंध :

समय का महत्व।

जिस तरह नदी का पानी नहीं रुकता उसी तरह चलता समय नहीं रुकता।
समय से ही सफलता जुड़ी हुई है। अगर इस संसार में हर चीज़ भगवान की बनाई हुई भी समय से जुड़ी हुई है। जिस तरह सूर्य समय पे निकलता है और चंद्र रात में आता है। हमें भी इनके तरह समय का पाबंद होना चाहिए। समय किसी के लिए नहीं रुकता। जो समय की कद्र करता है समय उसकी कद्र करता है उसी को सफलता मिलती है। पर अगर आप समय को योंही व्यर्थ

पृष्ठ के अंकों का योग

करेंगे तो समय ही आपको नष्ट कर देगा, अर्थात आपको सफलता नहीं मिलेगी।
समय ही इन्सान को सफल करता है और समय ही असफल करता है। विद्यार्थियों के लिए भी समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। समय ही इंतज़ार करवाता है और समय ही सफल दिलाता है। सबकुछ समय के अनुसार हो तो अच्छा लगता है और नुकसान दायक भी नहीं होता। समय अच्छा होता है और बुरा भी होता है। हर बुरे समय के बाद अच्छा समय आता है। आप समय के साथ चलो तो समय आपके साथ चलेगा। भगवान के मानने से भी समय का बहुत महत्व है। भगवान भी चाहते हैं कि मनुष्य को हर चीज़ समय पर ही पता चलनी चाहिए। न समय से पहले न समय के बाद।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 13 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के बॉक्स का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंको का योग

21

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(24)

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 24 के अंक	=	कुल अंक
75		0		75

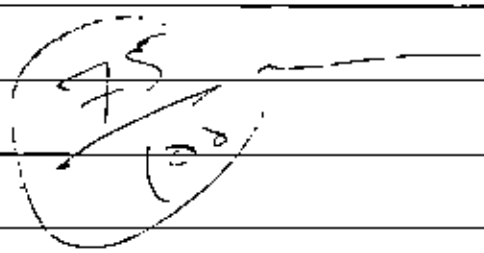

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग